


फर्द अहकाम

प्रकरण सं० 64/25

श्री विद्यालाल बनाम श्री मेरगा

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामिल में जारी हुए
14/11/24	<p>को पेश हो।</p>  <p>पत्रावली पेश हुयी समयपत्र 14/11/24 पीठासीन अधिकारी प्र-प कार्य में द्वारा अवकाश में है: सशुद्धी मासिक भ्रष्टाचार में दिनांक 31/11/24 को पेश हो।</p> <p>आदेश में सिद्ध</p>	
31/12/24	<p>पत्रावली पेश हुयी अवकाश पीठासीन अधिकारी प्र-प कार्य में द्वारा अवकाश में है: सशुद्धी मासिक भ्रष्टाचार में दिनांक 31/12/24 को पेश हो।</p> <p>आदेश में सिद्ध</p>	
30/11/25	<p>पत्रावली पेश हुई। वकील वादी / प्रती अनुपस्थित। वादी / प्रती भी अनु- पस्थित। प्रत्येक में वकील वादी / प्रती को विधिवत रूप से कल कल कर तीन बार आवाज कागार गई, लेकिन उनकी ओर से कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। वकील वादी / प्रती पूर्व के भी अनुपस्थित रहे। वकील वादी व वादी को अनुपस्थित रहने से प्रत्येक अदम अमरी व अदम पैरवी में स्वार्थित किया जाण उचित प्रतीत होता है इसी स्थिति में प्रत्येक को अदम अमरी व अदम पैरवी में स्वार्थित किया जाने के आदेश पारित किये जाते हैं। अतः पत्रावली फौजदारी नुमांर होकर द्वै नम्बर में काम कि जाकर वास्तविक हलफ है।</p> <p>उपस्थित अधिकारी सिद्ध (राज.)</p>	